# RNA : Real News Analysis

# DAILY CURRENT AFFAIRS

**UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,**
**और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण**

**DATE**
**जून**
**06**
**2025**

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

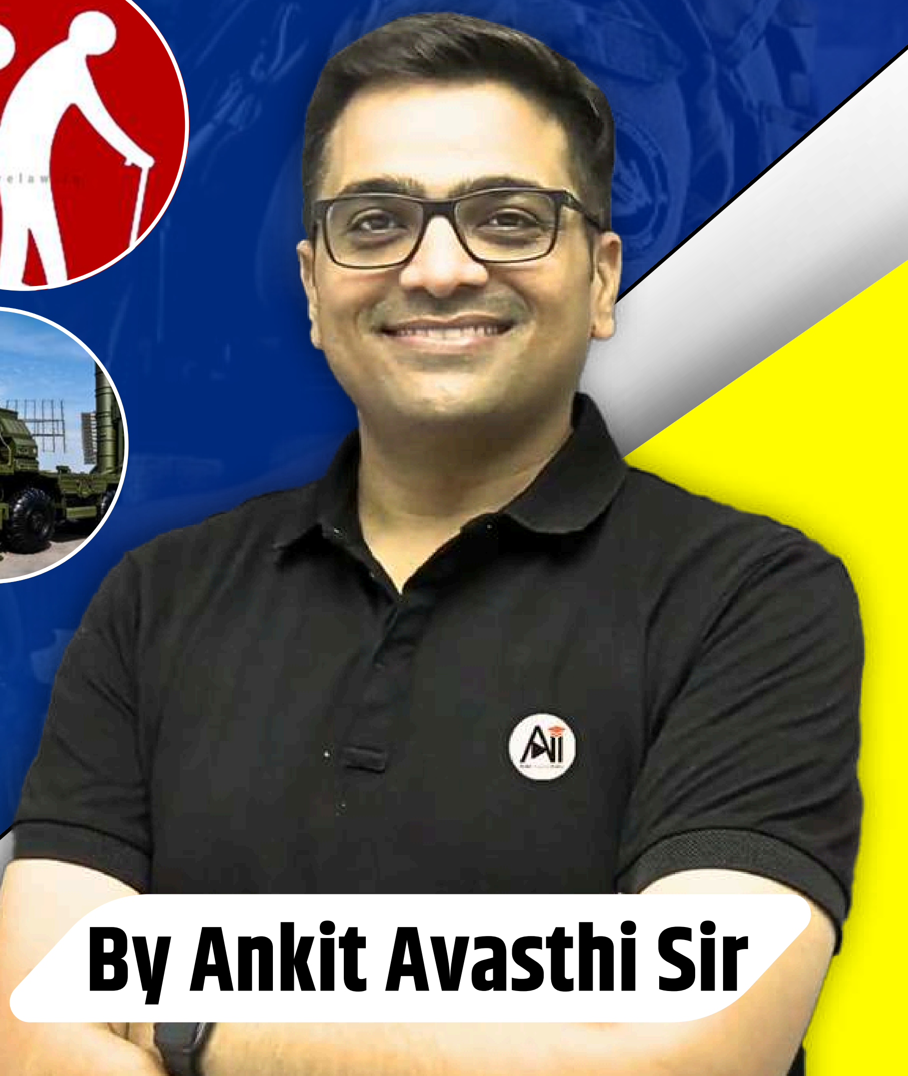

**By Ankit Avasthi Sir**

# एशियाई विकास बैंक / Asian Development Bank

**संदर्भ:**

भारत ने **एशियाई विकास बैंक (ADB)** द्वारा पाकिस्तान को वित्तीय सहायता देने के प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया है। भारत ने आशंका जताई है कि ये विकास निधियां सैन्य खर्चों में दुरुपयोग हो सकती हैं और साथ ही पाकिस्तान की आर्थिक सुधारों के प्रति प्रतिबद्धता पर भी गंभीर प्रश्न उठाए हैं।

**एशियाई विकास बैंक (ADB) द्वारा पाकिस्तान को $800 मिलियन की सहायता:**

- **पैकेज की घोषणा:** ADB ने पाकिस्तान को $800 मिलियन (लगभग ₹6,650 करोड़) की नीति-आधारित सहायता मंज़ूर की है, जो आर्थिक सुधारों और विकास पहलों को समर्थन देने के लिए है।
- **पृष्ठभूमि:** यह फैसला ऐसे समय में आया है जब पाकिस्तान ने एक माह पहले ही IMF से $1 बिलियन (लगभग ₹8,500 करोड़) की सहायता प्राप्त की थी।
- **राजनीतिक परिप्रेक्ष्य:** यह घटनाक्रम क्षेत्रीय भू-राजनीति और अंतरराष्ट्रीय आर्थिक संस्थाओं की भूमिका को उजागर करता है, जहाँ वित्तीय सहायता देने के निर्णय को सुरक्षा चिंताओं से संतुलित करने की ज़रूरत होती है।

**भारत की आपत्तियाँ: पाकिस्तान को ADB फंडिंग पर चिंताएँ-**

**बढ़ता रक्षा खर्च:** भारत ने ज़ोर देकर कहा कि पाकिस्तान का रक्षा खर्च तेज़ी से बढ़ा है, जबकि उसके राजस्व संग्रह में गिरावट आई है।

- पाकिस्तान का **Tax-to-GDP अनुपात** 2017-18 में **13%** था, जो 2022-23 में घटकर **9.2%** रह गया।
- यह एशिया-प्रशांत क्षेत्र के औसत **19%** से काफी कम है, जो **राजस्व संग्रह की अक्षमता और वित्तीय कुप्रबंधन** को दर्शाता है।

**फंड के दुरुपयोग की आशंका:** भारत ने ADB से आग्रह किया कि:

- किसी भी वित्तीय सहायता के साथ **सख्त निगरानी तंत्र (strict oversight mechanisms)** सुनिश्चित किया जाए।
- यह जरूरी है ताकि फंड्स का **सैन्य उपयोग या आतंकी नेटवर्क को अप्रत्यक्ष समर्थन** रोका जा सके।

**पिछली आपत्तियाँ:**

- भारत पहले भी **IMF जैसी संस्थाओं** में पाकिस्तान को दी जा रही सहायता पर आपत्ति जता चुका है।
- भारत कथित रूप से **FATF की ग्रे लिस्ट में पाकिस्तान को दोबारा शामिल** करने के लिए एक विस्तृत **डोज़ियर तैयार कर रहा है**, जिससे पाकिस्तान की वित्तीय पारदर्शिता की समीक्षा की जा सके।

**भारत का रुख:** भारत का मानना है कि जब तक पाकिस्तान अपने आर्थिक और आतंरिक सुरक्षा ढांचे में वास्तविक सुधार नहीं करता, तब तक उसे बिना शर्त बाहरी वित्तीय सहायता देना **क्षेत्रीय स्थिरता और वैश्विक वित्तीय अनुशासन के लिए खतरनाक** हो सकता है।

**एशियाई विकास बैंक (ADB): एक विस्तृत विवरण-**

- **स्थापना:** वर्ष 1966 में गठित, एक संयुक्त राष्ट्र-संयोजित एशियाई आर्थिक सहयोग सम्मेलन के बाद।
- **मुख्यालय:** मनीला, फिलीपींस।
- **स्थिति:** संयुक्त राष्ट्र में आधिकारिक पर्यवेक्षक (Official Observer) का दर्जा प्राप्त।

**मुख्य उद्देश्य:**

- एशिया और प्रशांत क्षेत्र में **गरीबी घटाना**।
- **समावेशी, पर्यावरणीय रूप से सतत और क्षेत्रीय आर्थिक एकीकरण** को बढ़ावा देना।

**प्रमुख कार्य:**

- **ऋण (hard व soft loans)**, **अनुदान (grants)** और **तकनीकी सहायता** प्रदान करता है।
- **सामाजिक लाभ वाले निजी क्षेत्र के प्रोजेक्ट्स** के लिए सीधे वित्तपोषण करता है।
- **नीतिगत संवाद, सह-वित्तपोषण (co-financing)** और **सलाह सेवाओं** के माध्यम से देशों को सहयोग देता है।

**वित्तीय स्रोत:**

- **वैश्विक पूंजी बाजारों** में बॉन्ड जारी करके धन जुटाता है।
- **सदस्य देशों के योगदान**, **ऋण चुकौती**, और **ब्याज व अर्जित लाभ** से पूंजी प्राप्त करता है।

**सदस्यता और शेयरधारिता:**

- कुल **67 सदस्य देश**, जिनमें से **48 एशिया-प्रशांत क्षेत्र** से हैं।
- **प्रमुख शेयरधारक**:
  - जापान: **15.607%**
  - अमेरिका: **15.607%**
  - चीन: **6.444%**
  - भारत: **6.331%**
  - ऑस्ट्रेलिया: **5.786%**

**जलवायु लक्ष्य:** **2019 से 2030** के बीच **$100 बिलियन की जलवायु वित्त सहायता** जुटाने का लक्ष्य।

# ब्रिक्स / BRICS

**संदर्भ:**

भारतीय प्रधानमंत्री **नरेंद्र मोदी** के **ब्राज़ील** के रियो डी जेनेरियो **में 6-7 जुलाई** को होने वाले ब्रिक्स (BRICS) शिखर सम्मेलन में भाग लेने की संभावना है।

- ब्रिक्स देशों का 16वां शिखर सम्मेलन वर्ष 2024 में रूस के कज़ान शहर में 22 से 24 अक्टूबर के बीच आयोजित किया गया। यह सम्मेलन **"न्यायसंगत वैश्विक विकास और सुरक्षा के लिए बहुपक्षवाद को सशक्त बनाना"** विषयवस्तु (थीम) के तहत संपन्न हुआ, जिसमें सदस्य देशों ने वैश्विक सहयोग, विकास और सामूहिक सुरक्षा पर केंद्रित विचार-विमर्श किया।

**डोनाल्ड ट्रंप की चेतावनी:**

- अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति **डोनाल्ड ट्रंप** ने BRICS देशों को लेकर सख्त रुख अपनाया।
- उन्होंने BRICS को **"मृत" (dead)** घोषित करते हुए चेतावनी दी कि:
  - यदि BRICS देश **संयुक्त मुद्रा (common currency)** लाने या **डॉलर की वैश्विक भूमिका को कमजोर** करने की कोशिश करते हैं,
  - तो अमेरिका **BRICS देशों से होने वाले सभी आयात पर 100% टैरिफ** लगाएगा।

**BRICS की डीडॉलराइज़ेशन रणनीति:**

- **BRICS** (ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) डॉलर पर निर्भरता को घटाने की दिशा में सक्रिय हैं।
- **BRICS शिखर सम्मेलन 2023** में रूसी राष्ट्रपति **व्लादिमीर पुतिन** ने:
  - **राष्ट्रीय मुद्राओं में व्यापार** और
  - **बैंकिंग सहयोग बढ़ाने** की अपील की थी।
- **जून 2024** में BRICS विदेश मंत्रियों की बैठक में:
  - **स्थानीय मुद्राओं का उपयोग** बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई गई।
  - व्यापार और वित्तीय लेनदेन को **डॉलर से मुक्त करने** की दिशा में सहमति बनी।

**BRICS: एक वैश्विक शक्ति समूह की रूपरेखा-**

**परिचय-**

- **2001** में **"BRIC"** शब्द का प्रयोग अर्थशास्त्री जिम ओ'नील ने किया, जिसमें ब्राज़ील, रूस, भारत और चीन को उभरती आर्थिक शक्तियाँ बताया गया।
- **2010** में दक्षिण अफ्रीका के जुड़ने के बाद यह समूह **BRICS** बन गया, जिससे यह पांच महाद्वीपों (लैटिन अमेरिका, यूरेशिया, अफ्रीका, एशिया) का प्रतिनिधित्व करने लगा।

**विस्तार (Expansion)**

- **अब कुल 10 पूर्ण सदस्य**: जैसे **इंडोनेशिया, मिस्र, ईरान** आदि।
- **8 साझेदार देश (Partner Countries)** भी शामिल हैं।
- समूह का प्रतिनिधित्व:
  - वैश्विक **GDP का लगभग 41%**
  - और **दुनिया की आधी जनसंख्या** करता है।

**उद्देश्य (Core Objectives)**

- **सदस्य देशों के बीच व्यापार और निवेश** को बढ़ावा देना।
- **New Development Bank (NDB)** और **Contingent Reserve Arrangement (CRA)** जैसे संस्थानों के माध्यम से **आर्थिक सुरक्षा** बढ़ाना।
- **IMF और विश्व बैंक** जैसी संस्थाओं में **विकासशील देशों की आवाज़ को मज़बूत** करना।
- **सुरक्षा**, **जलवायु परिवर्तन** और **बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था (Multipolarity)** पर मिलकर काम करना।
- **Global South** की एकता और आवाज़ को मजबूत बनाना।

**प्रमुख उपलब्धियाँ (Key Achievements)**

- **वैश्विक व्यापार और निवेश में अग्रणी भूमिका: चीन अकेले 2024 में वैश्विक GDP (PPP) का 19%** प्रदान करता है।
- **नवीकरणीय ऊर्जा और प्रौद्योगिकी में सहयोग:** ऊर्जा, AI और डिजिटल व्यापार जैसे क्षेत्रों में रणनीतिक साझेदारी।
- **New Development Bank (NDB) और CRA:**
  - ये पश्चिमी-नेतृत्व वाली संस्थाओं के विकल्प के रूप में काम करते हैं।
  - **विकासशील देशों को वित्तीय सहायता** और **स्थिरता** प्रदान करते हैं।

# भारत की जनगणना / Census of India

**संदर्भ:**

भारत सरकार वर्ष 2027 की **1 मार्च** तक देश की अगली जनगणना आयोजित करेगी। यह जनगणना लगभग **16 वर्षों के अभूतपूर्व अंतराल** के बाद की जाएगी, जो जनसंख्या, सामाजिक-आर्थिक स्थिति और नीति-निर्माण के लिए महत्वपूर्ण आंकड़ों को एकत्रित करने की दिशा में एक अहम कदम होगा।

**परिभाषा (Definition):**

- **जनगणना** भारत में हर **10 साल** में होने वाली एक **राष्ट्रीय स्तर की सांख्यिकीय प्रक्रिया** है।
- इसमें **हर निवासी** (नागरिकता की परवाह किए बिना) से **जनसांख्यिकीय, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक** आंकड़े जुटाए जाते हैं।

**प्राधिकरण (Authority):**

- जनगणना का संचालन करता है:
  - ***भारत का रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त कार्यालय***।
  - यह **गृह मंत्रालय (Ministry of Home Affairs)** के अधीन कार्य करता है।
- यह प्रक्रिया **जनगणना अधिनियम, 1948** के अंतर्गत संचालित होती है।

**आगामी जनगणना का महत्व (Significance of the Upcoming Census) —:**

1. **संदर्भ तिथि:** अधिकांश भारत में जनगणना की संदर्भ तिथि 1 मार्च 2027 होगी, जबकि लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में यह 1 अक्टूबर 2026 होगी।
2. **दो चरणों में प्रक्रिया (Two-Phase Format):**
   - पहला चरण: हाउस लिस्टिंग और हाउसिंग शेड्यूल
   - दूसरा चरण: जनसंख्या गणना, जिसमें **जातिगत आंकड़े (Caste Data)** भी शामिल होंगे।
3. **डिजिटल जनगणना:** यह भारत की **पहली डिजिटल जनगणना** होगी। इसमें मोबाइल ऐप का उपयोग किया जाएगा और **स्व-गणना (Self-enumeration)** के लिए ऑनलाइन पोर्टल भी उपलब्ध रहेगा (केवल NPR अपडेटेड परिवारों के लिए)।
4. **पूर्व तैयारी का पुन: उपयोग:** वर्ष 2021 के लिए चिन्हित किए गए **24 लाख गणना ब्लॉक्स** को ही पुन: उपयोग में लाया जाएगा।
5. **सीमा पुनर्निर्धारण:** **84वां संविधान संशोधन (2001)** निर्धारित करता है कि 2026 के बाद की पहली जनगणना के आधार पर संसदीय क्षेत्रों का सीमांकन किया जाएगा।
6. 
7. **महिला आरक्षण से संबंध (Women's Reservation):** **33% महिला आरक्षण कानून (128वां संशोधन)** की प्रभावी क्रियान्वयन के लिए भी इसी जनगणना के आंकड़ों की आवश्यकता होगी।
8. **नई विशेषता – जाति गणना (New Inclusion – Caste Enumeration):** आगामी जनगणना में जातिगत विवरण जोड़ा जाएगा, संभवत: केवल **सादी सूची (Plain List)** के रूप में, बिना OBC वर्गीकरण के।
9. **राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (NPR) अपडेट:** हालांकि 119 करोड़ निवासियों का डेटा NPR में उपलब्ध है, लेकिन अब तक NPR को अपडेट करने को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

**जाति गणना की शुरुआत:**

1. **1931 के बाद पहली बार जातिगत डेटा:** पिछली बार पूर्ण जातिगत जानकारी **1931** की जनगणना में एकत्र की गई थी (SC/ST को छोड़कर)।
2. **1951 से 2011 तक का चलन:** इन वर्षों में केवल **अनुसूचित जातियों (SC)** और **अनुसूचित जनजातियों (ST)** का ही डेटा संकलित किया गया।
3. **SECC 2011:** **सामाजिक-आर्थिक और जाति जनगणना 2011 (SECC)** में जाति डेटा तो एकत्र हुआ था, लेकिन उसे **सरकारी रूप से कभी जारी नहीं किया गया**।
4. **नया डेटा फील्ड:** आगामी जनगणना में **SC/ST सेक्शन के साथ एक नया ड्रॉप बॉक्स** जोड़ा जाएगा, जिसमें व्यक्ति अपनी जाति का विवरण दर्ज कर सकेंगे।

# वरिष्ठ नागरिकों पर राष्ट्रीय नीति / National Policy on Senior Citizens

**संदर्भ:**

वरिष्ठ नागरिकों की बेहतरी के लिए एक **नई राष्ट्रीय नीति** (National Policy on Senior Citizens) का मसौदा तैयार किया जा रहा है। यह नीति **केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय** द्वारा तैयार की जा रही है

## भारत में वरिष्ठ नागरिकों की स्थिति (Senior Citizens in India)

**जनसंख्या आँकड़े:**

- **जनगणना 2011 के अनुसार:** भारत में लगभग **10.3 करोड़ वरिष्ठ नागरिक**, जो कुल जनसंख्या का **8.6%** हैं।
- **परिभाषा:** भारत सरकार के अनुसार, **60 वर्ष या उससे अधिक आयु** के व्यक्ति "वरिष्ठ नागरिक" माने जाते हैं।
- **2026 तक अनुमान:** वरिष्ठ नागरिकों की संख्या **12.16%** तक पहुँचने का अनुमान।
- **2047 तक अनुमान:** देश की लगभग **20% जनसंख्या** वरिष्ठ नागरिक होगी।

**वृद्धि के कारण:**

- जीवन प्रत्याशा में वृद्धि का मुख्य कारण:
  - बेहतर **स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता**
  - **जीवनरक्षक दवाओं** की पहुंच और उपयोग

## भारत में वरिष्ठ नागरिकों के लिए संवैधानिक और कानूनी ढांचा

**संवैधानिक प्रावधान:**

- **अनुच्छेद 41:** राज्य को यह निर्देश देता है कि वह **वृद्धावस्था में सार्वजनिक सहायता** प्रदान करने के लिए प्रभावी प्रावधान करे।

**कानूनी प्रावधान:**

- **वरिष्ठ नागरिकों और माता-पिता का भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007:**
  - संतान और कानूनी उत्तराधिकारियों पर **आर्थिक और शारीरिक देखभाल** की जिम्मेदारी।
  - वरिष्ठ नागरिक **Maintenance Tribunal** के माध्यम से भरण-पोषण का दावा कर सकते हैं।
  - राज्य सरकारों को **वृद्धाश्रम स्थापित** करने की बाध्यता।

**अन्य सहायक प्रावधान:**

- **व्यक्तिगत कानूनों** में वरिष्ठों के अधिकारों का संरक्षण
- **आयकर में छूट**, जिससे आर्थिक राहत
- **परिवहन में रियायतें**, जैसे रेलवे और बस यात्रा में छूट

**नीतिगत पहल:**

- **राष्ट्रीय वृद्धजन नीति (NPOP), 1999:** वरिष्ठ नागरिकों के समग्र कल्याण हेतु रूपरेखा
- **2011 का संशोधित मसौदा:** बदलती परिस्थितियों के अनुरूप elder care में सुधार का प्रयास
- **वर्तमान आवश्यकता:** जनसांख्यिकीय बदलाव और नई चुनौतियों को देखते हुए **नई और व्यापक नीति** की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

**निष्कर्ष एवं आगे की राह:** भारत की **बुजुर्ग जनसंख्या तेजी से बढ़ रही है**, जिससे उनकी **देखभाल, सम्मान और कल्याण** एक राष्ट्रीय प्राथमिकता बन गई है।

- सरकार की वर्तमान पहलों ने वरिष्ठ नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, परंतु **जनसांख्यिकीय बदलावों के अनुरूप और अधिक सशक्त नीतियों** की आवश्यकता है।

**आगे की राह (Way Forward):**

- **आर्थिक सुरक्षा:** पेंशन योजनाओं और आय-सहायता कार्यक्रमों का विस्तार
- **स्वास्थ्य सेवाएँ:** सस्ती और सुलभ बुजुर्ग-केंद्रित स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता
- **सामाजिक समावेशन:** वरिष्ठ नागरिकों के लिए सामुदायिक भागीदारी, मानसिक स्वास्थ्य समर्थन और सामाजिक जुड़ाव को बढ़ावा
- **नीतिगत सुधार:** एक **नवीन व समावेशी राष्ट्रीय वृद्धजन नीति** का निर्माण जो वर्तमान और भविष्य की जरूरतों को संबोधित करे

## S-400 मिसाइल सिस्टम / S-400 Missile System

**संदर्भ:**

हाल ही में रूसी अधिकारियों ने पुष्टि की है कि रूस भारत को **S-400 वायु रक्षा प्रणाली** की शेष इकाइयों की आपूर्ति **वर्ष 2025-2026** तक पूरी कर देगा। यह रक्षा सौदा भारत की वायु सुरक्षा क्षमताओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

**S-400 मिसाइल सिस्टम:**

**मुख्य विशेषताएँ:**

- **प्रकार:** सतह से वायु में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली (Surface-to-Air Missile System - SAM)
- **विकासकर्ता:** रूस
- **उद्देश्य:** विमानों, बैलिस्टिक मिसाइलों, क्रूज मिसाइलों और मानवरहित हवाई वाहनों (UAVs) से रक्षा करना

**संगठनात्मक घटक:**

- मल्टीफंक्शनल रडार
- स्वचालित कमांड सेंटर
- चार प्रकार की मिसाइलें
- मोबाइल लॉन्चर

**क्षमताएँ:**

- **अधिकतम रेंज:** 400 किलोमीटर
- **ऊँचाई पर हमला करने की क्षमता:** 10 मीटर से लेकर 30 किलोमीटर तक
- **ट्रैकिंग क्षमता:** एक साथ 80 लक्ष्यों को ट्रैक कर सकता है
- **एंगेजमेंट क्षमता:** एक साथ 36 लक्ष्यों पर हमला कर सकता है
- **गति अवरोधन क्षमता:** 4.8 किलोमीटर/सेकंड तक की गति से उड़ रहे लक्ष्यों को नष्ट कर सकता है

**प्रमुख मिसाइलें:**

- **40N6:** लंबी दूरी की मिसाइल – रेंज: 400 किमी
- **48N6:** मध्यम दूरी की मिसाइल – रेंज: 250 किमी
- **9M96E2:** छोटी से मध्यम दूरी की मिसाइल – रेंज: 120 किमी
- **9M96E:** छोटी दूरी की मिसाइल – रेंज: 40 किमी

## विझिंजम (Vizhinjam) अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह

**संदर्भ:**

दुनिया का सबसे बड़ा कंटेनर जहाज **MSC Irina** पहली बार **विझिंजम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह (Vizhinjam International Seaport)** पहुंचा है।

**विझिंजम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह (Vizhinjam International Seaport): भारत का पहला ट्रांसशिपमेंट पोर्ट**

**मुख्य विशेषताएँ:**

- **स्थान:** केरल में स्थित, श्रीलंका के कोलंबो बंदरगाह के निकट
- **विकास मॉडल:** पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (PPP) मॉडल के तहत केरल सरकार द्वारा विकसित
- **प्रकार:** गहरे पानी वाला ट्रांसशिपमेंट पोर्ट – कंटेनर और बहुउद्देश्यीय माल के लिए

**रणनीतिक महत्व:**

- यह भारत का **पहला ट्रांसशिपमेंट पोर्ट** है जो **अल्ट्रा-लार्ज कंटेनर शिप्स** को संभालने में सक्षम है।
- **कोलंबो बंदरगाह**, जो वर्तमान में भारत-गंतव्य ट्रांसशिपमेंट कार्गो का 70% संभालता है, उसके विकल्प के रूप में कार्य करेगा।
- इसका उद्देश्य **विदेशी बंदरगाहों पर निर्भरता कम करना** है, जिससे देश को रणनीतिक और आर्थिक लाभ मिलेगा।

**भौगोलिक विशेषता:**

- प्राकृतिक **24 मीटर की गहराई** होने के कारण दुनिया के सबसे बड़े जहाज बिना अधिक ड्रेजिंग के यहां आ सकते हैं।

**निष्कर्ष:**

विझिंजम पोर्ट भारत को एक वैश्विक समुद्री लॉजिस्टिक हब बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो देश की समुद्री क्षमता को आत्मनिर्भर और प्रतिस्पर्धी बनाने में सहायक होगा।

## रामसर साइट्स / Ramsar Sites

**संदर्भ:**

राजस्थान के **फालोदी के खीचन** और **उदयपुर के मेनार** को हाल ही में **रामसर साइट** के रूप में नामित किया गया है। इसके साथ ही भारत में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त आर्द्रभूमियों (Wetlands) की कुल संख्या अब **91** हो गई है, जो देश की जैव विविधता संरक्षण की दिशा में एक अहम उपलब्धि है।

### राजस्थान के खीचन और मेनार को रामसर साइट्स का दर्जा

### हाल की प्रमुख घोषणाएं:

1. **खीचन (फालोदी, राजस्थान)**: प्रवासी पक्षियों, विशेषकर **डेमोइसल क्रेन्स** (Demoiselle Cranes) के लिए विश्व प्रसिद्ध स्थल है।
2. **मेनार (उदयपुर, राजस्थान)**: "बर्ड विलेज" के नाम से प्रसिद्ध यह गांव **सामुदायिक पक्षी संरक्षण** के मॉडल के रूप में जाना जाता है।

### अब राजस्थान में कुल 4 रामसर साइट्स:

1. खीचन
2. मेनार
3. सांभर झील (नागौर और जयपुर)
4. केवलादेव घाना राष्ट्रीय उद्यान (भरतपुर)

### वेटलैंड्स (आर्द्रभूमि) क्या होती हैं?

- ये ऐसे क्षेत्र होते हैं जहां स्थायी या अस्थायी रूप से पानी भरा होता है – चाहे वह प्राकृतिक हो या कृत्रिम।
- समुद्री क्षेत्र भी शामिल हैं जहाँ जल की गहराई **6 मीटर से अधिक नहीं** होती।
- वेटलैंड्स **Ecotone** होते हैं – यानी **स्थल और जल पारिस्थितिक तंत्रों के बीच का संक्रमण क्षेत्र**।

### रामसर कन्वेंशन के बारे में:

- **स्थापना:** 1971 में ईरान के रामसर शहर में।
- **उद्देश्य:** आर्द्रभूमियों के संरक्षण और उनके विवेकपूर्ण उपयोग के लिए अंतरराष्ट्रीय ढांचा प्रदान करना।
- **भारत की सदस्यता:** वर्ष **1982** में।

## कुलसी नदी / Kulsi River

**संदर्भ:**

पर्यावरणविदों की चेतावनियों को नज़रअंदाज़ करते हुए, असम और मेघालय सरकारों ने **कुलसी नदी** पर संयुक्त रूप से **55 मेगावाट की जलविद्युत परियोजना** स्थापित करने का निर्णय लिया है। यह नदी **लुप्तप्राय गंगा नदी डॉल्फ़िनों (River Dolphins)** के प्रजनन स्थल के रूप में जानी जाती है, जिससे इस परियोजना को लेकर पर्यावरणीय चिंताएं बढ़ गई हैं।

### कुलसी नदी के बारे में (Kulsi River) –:

### मूल परिचय:

- **कुलसी नदी**, ब्रह्मपुत्र नदी की **दक्षिणी सहायक नदी (South-bank tributary)** है।
- यह नदी **असम** और **मेघालय** के बीच बहती है और पारिस्थितिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है।

### उद्गम और प्रवाह मार्ग:

1. कुलसी नदी तीन प्रमुख धाराओं से मिलकर बनी है:
   - **ख्री (Khri)**
   - **कृष्णिया (Krishniya)**
   - **उमसिरी (Umsiri)**
2. ये तीनों धाराएँ **मेघालय के पश्चिम खासी पहाड़ी क्षेत्र (West Khasi Hills)** से लगभग **1800 मीटर** की ऊंचाई से निकलती हैं और उत्तर दिशा में बहती हैं।
3. ऊपरी क्षेत्र में इसे **ख्री नदी** के नाम से जाना जाता है।
4. खासी पहाड़ियों में कृष्णिया और उमसिरी से मिलने के बाद यह नदी उत्तर-पश्चिम की ओर मुड़कर **असम के उकियम (Ukium)** क्षेत्र में प्रवेश करती है।
5. इसके बाद यह नदी **कामरूप जिले** के मैदानी क्षेत्रों से होते हुए **कुलसी गांव** तक बहती है।
6. अंततः यह नदी **नागरबेरा** के पास ब्रह्मपुत्र में विलीन हो जाती है।

### भौगोलिक आँकड़े:

- **कुलसी नदी की कुल लंबाई**: लगभग **220 किलोमीटर**
  - जिसमें से **100 किमी मेघालय** में
  - और **120 किमी असम** में स्थित है।
- **कुल अपवाह क्षेत्र (Catchment Area)**: **3770 वर्ग किमी**
  - **685 वर्ग किमी** मैदानी क्षेत्र (असम में)
  - **3085 वर्ग किमी** पहाड़ी क्षेत्र (मेघालय और असम में) शामिल है।

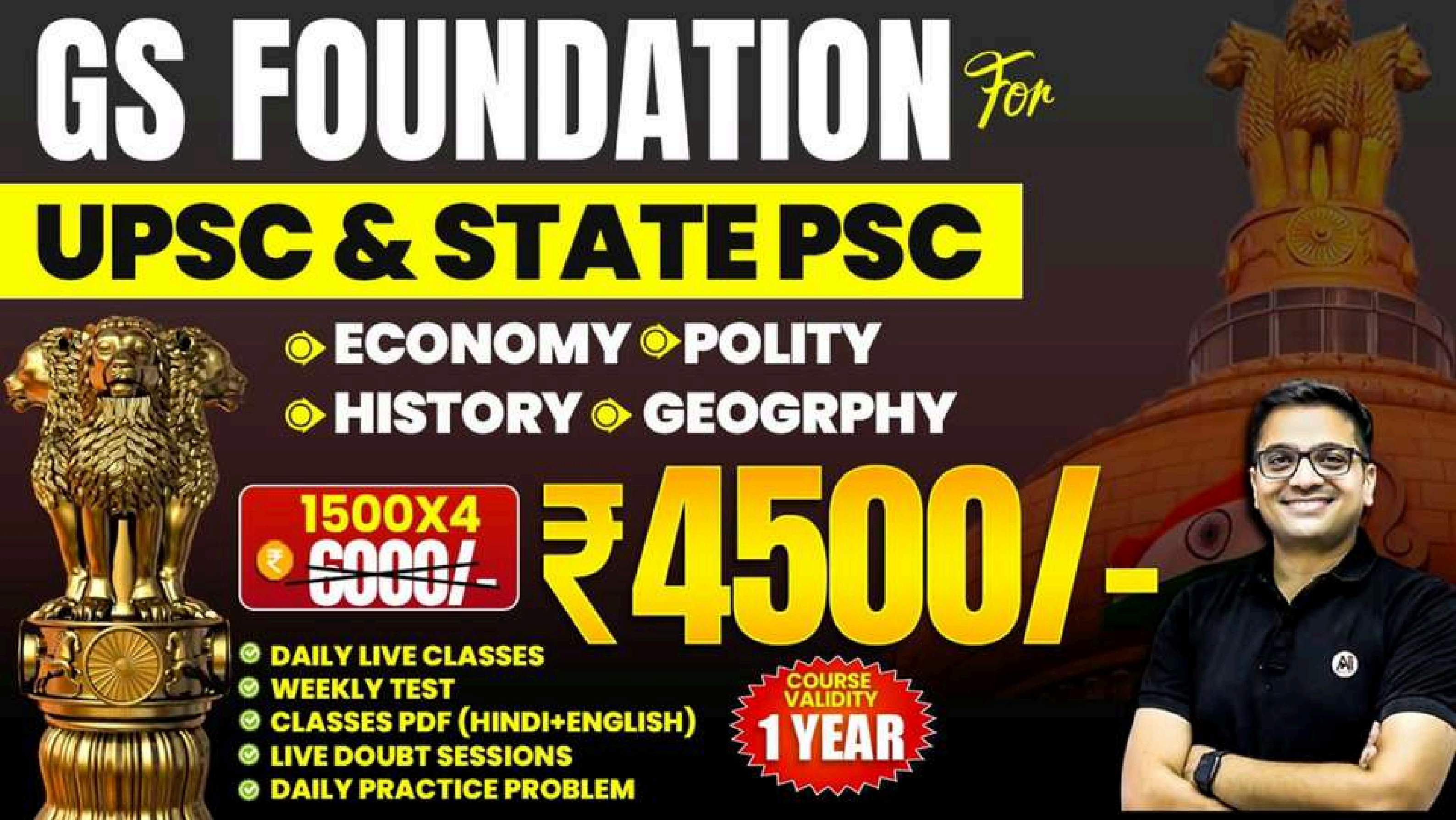
GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
ECONOMY
POLITY
HISTORY
GEOGRPHY
1500X4
₹ 6000/-
₹4500/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

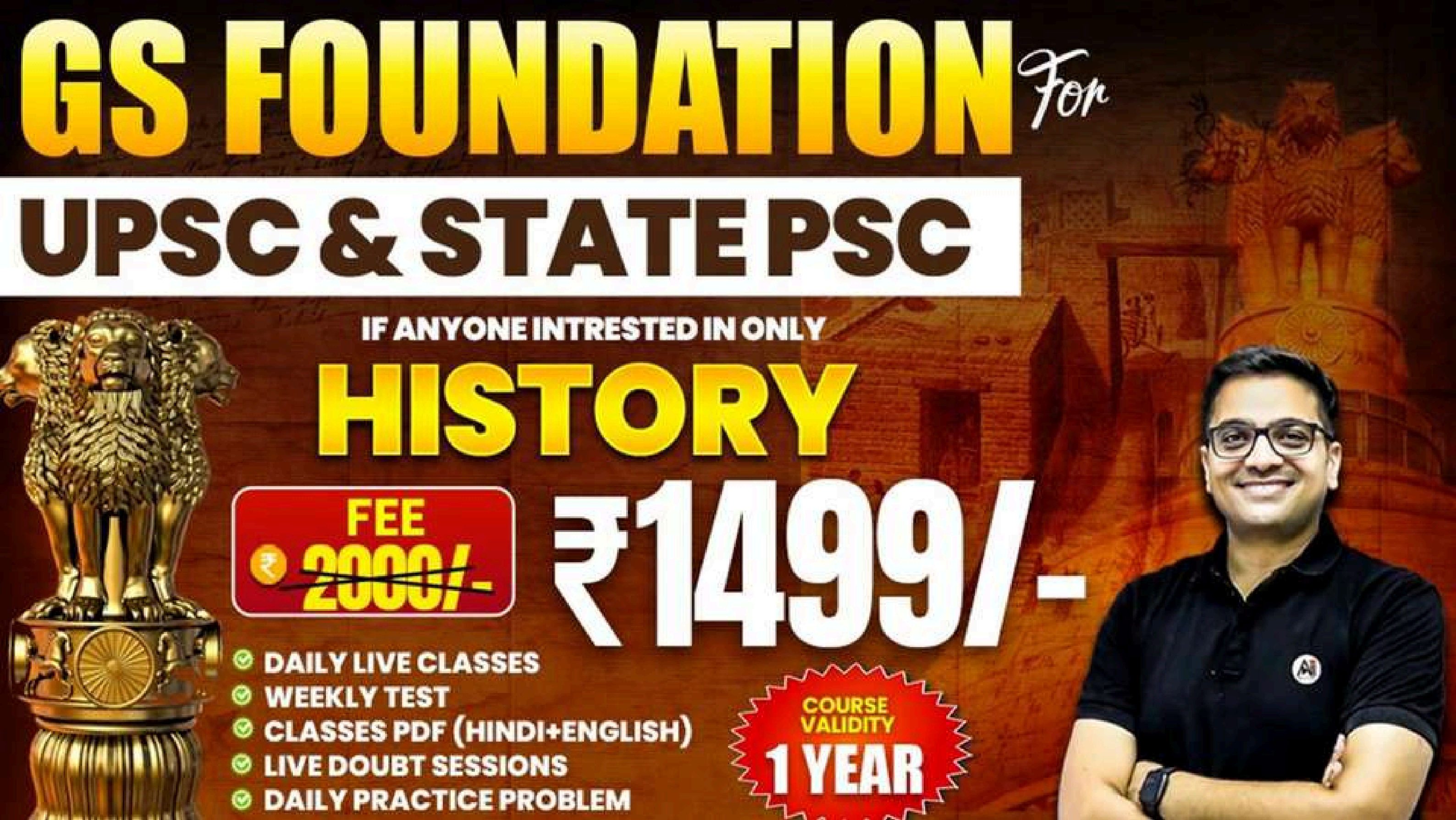
GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
IF ANYONE INTRESTED IN ONLY
HISTORY
FEE
₹ 2000/-
₹1499/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
IF ANYONE INTRESTED IN ONLY
ECONOMY
FEE
₹ 2000/-
₹1499/-
DAILY LIVE CLASSES
WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTICE PROBLEM
COURSE VALIDITY
1 YEAR

जानिए
भारतीय संविधान
CONSTITUTION OF INDIA
मात्र
1499/- Year
Enroll Now !
1 year validity

GS FOUNDATION
Hand Written Notes
Pathshala
भारतीय भूगोल
भौतिक तथा विश्व भूगोल
भारत तथा विश्व की अर्थव्यवस्था
भारतीय संविधान एवं राजव्यवस्था
प्राचीन तथा मध्यकालीन भारत का इतिहास, कला एवं संस्कृति
आधुनिक भारत एवं विश्व का इतिहास
BEST OFFER
1999Rs
4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट
अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....
7878158882
Bilingual
By Ankit Avasthi Sir

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण
RNA : Real News Analysis
MONTHLY CURRENT AFFAIRS
UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
MONTH
जनवरी, 2025
By Ankit Avasthi Sir
MONTHLY MAGAZINE
FREE!
अधिक जानकारी के लिए दिए गए
नंबर पर संपर्क करें....
7878158882
Billingual
ANKIT AVASTHI SIR

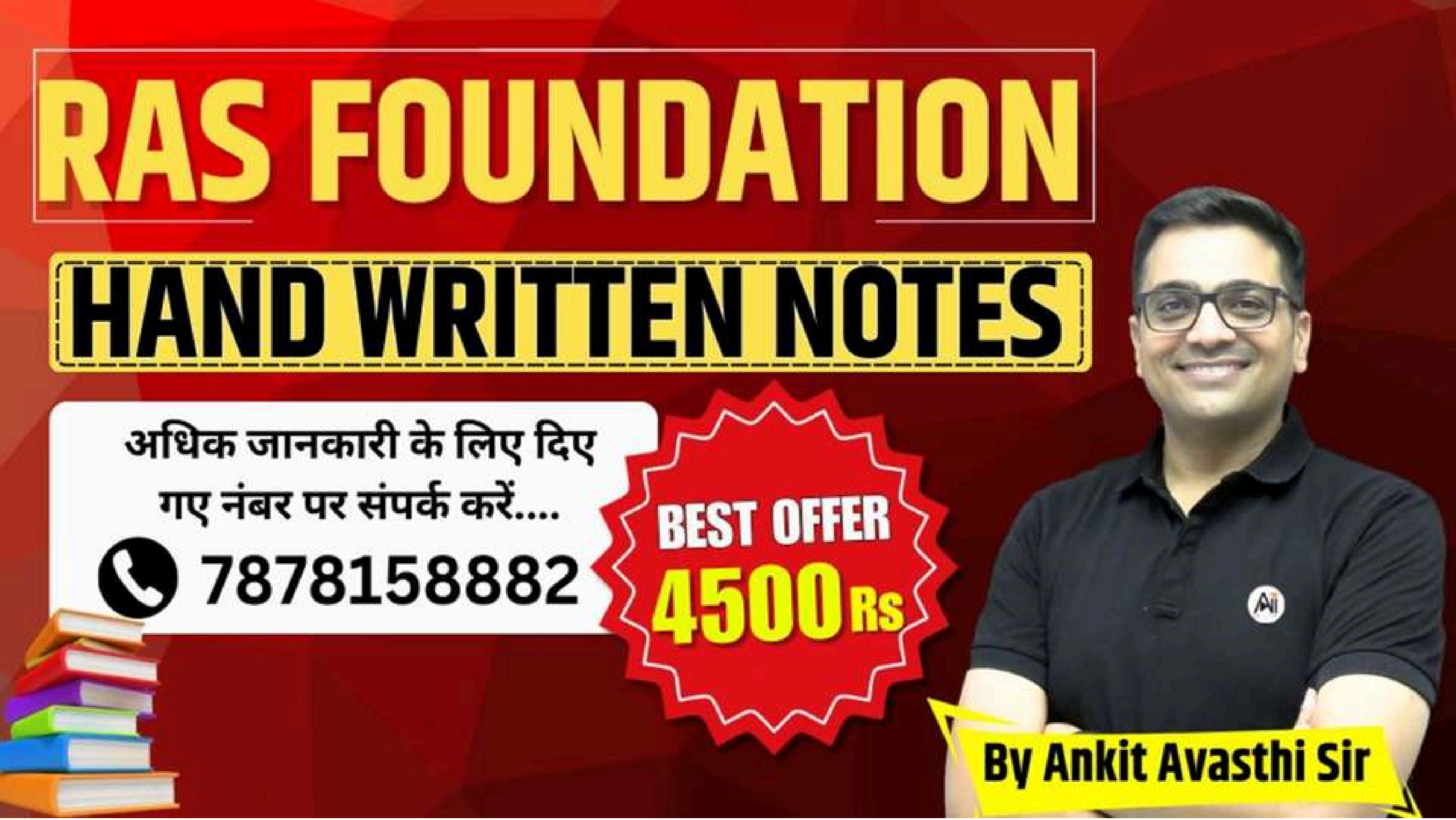
RAS FOUNDATION
HAND WRITTEN NOTES
अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....
7878158882
BEST OFFER
4500 Rs
By Ankit Avasthi Sir

RRB NTPC
TEST SERIES
100+ Mock Test
78 Sectional Test
40+ years PYPs
60+ Current affairs
TEST
Only
99
Per
Year
Buy Now

# APNI PATHSHALA

Apni Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

## UPPSC,RO/ARO,BPSC,UP TEST SERIES

### UPPSC
( TEST SERIES )
- 35+ MOCK TESTS
- 40+ PYQ'S
- 180+ TOPIC WISE TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

299/- YEAR

### RO/ARO
( TEST SERIES )
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299/- YEAR

### BPSC
( TEST SERIES )
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299 YEAR

### SSC ( TEST SERIES )
- 30 MOCK TESTS
- 28+ YEAR PYP
- 12 SECTIONAL TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

### RPF ( TEST SERIES )
- 40 MOCK TESTS
- 2 YEAR PYQ'S
- 4 SECTIONAL TEST
- 10 PRACTICE TEST
- 60 CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

Download | Application
Apni Pathshala
7878158882

Apni.Pathshala Avasthiankit
AnkitAvasthiSir kaankit

ANKIT AVASTHI SIR

# CALL CENTRE

## HOW MAY I HELP YOU

# 7878158882

AnkitInspiresIndia

Download "Apni Pathshsla" app now!

Follow us: